SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal
"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Fashion Designer

फ़ैशन डिज़ाइनर कपड़े व एक्सेसरीज़ की कल्पना, स्केच व निर्माण करते हैं — रुझान, कपड़े व संस्कृति को मिलाकर।

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/fashion-designer

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

🙏 विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित
Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

फ़ैशन डिज़ाइनर कपड़े व एक्सेसरीज़ की कल्पना, स्केच व निर्माण करते हैं — रुझान, कपड़े व संस्कृति को मिलाकर।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	12वीं (कोई भी) + B.Des फ़ैशन (NIFT/अन्य) या डिप्लोमा
कार्य-शैली	स्टूडियो / बुटीक / इंडस्ट्री
माँग	बढ़ती हुई — भारतीय फ़ैशन व निर्यात दोनों में
शीर्ष आय	₹25L+/वर्ष (सीनियर/अपना लेबल)

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- कला, कपड़े व रुझान
- हाथों से बनाना
- आत्म-अभिव्यक्ति

क्षमताएँ

- स्केचिंग व रंग-बोध
- सिलाई व पैटर्न
- रुझान-विश्लेषण

ज़रूरी कौशल

- स्केचिंग व डिज़ाइन सोच
- कपड़े, रंग व सिलाई की समझ
- ट्रेंड व बाज़ार की परख
- CAD/डिज़ाइन सॉफ़्टवेयर
- पोर्टफ़ोलियो व प्रेज़ेंटेशन

4 कैसे पहुँचें

1. 12वीं के बाद फ़ैशन डिज़ाइन में डिग्री/डिप्लोमा (B.Des Fashion)।
2. NIFT/NID प्रवेश परीक्षा; पोर्टफ़ोलियो व इंटर्नशिप।

प्रमुख परीक्षाएँ

- NIFT प्रवेश परीक्षा
- NID DAT
- UCEED

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- NIFT Jodhpur —
- NID —

निजी संस्थान

- Arch College of Design —
- Pearl Academy —

ऑनलाइन

- IGNOU / online design courses —

फ़ीस

₹1–5 लाख/वर्ष।

छात्रवृत्तियाँ

- National Scholarship Portal (https://scholarships.gov.in)
- Vidya Lakshmi (https://www.vidyalakshmi.co.in)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

फ़ैशन हाउस, गारमेंट ब्रांड, बुटीक, ई-कॉमर्स, अपना लेबल।

कार्य-संस्कृति

रचनात्मक पर प्रतिस्पर्धी; फ़ैशन-वीक/सीज़न पर व्यस्त।

कौन नौकरी देता है

- परिधान ब्रांड और रिटेल चेन (रिलायंस ट्रेंड्स, फैबइंडिया, शॉपर्स स्टॉप)
- गारमेंट एक्सपोर्ट हाउस व निर्माता (शाही एक्सपोर्ट्स, अरविंद)

- डिज़ाइनर लेबल और बुटीक (सब्यसाची, मनीष मल्होत्रा जैसे लेबल)
- फ़िल्म-टीवी कॉस्ट्यूम और स्टाइलिंग स्टूडियो
- ई-कॉमर्स फ़ैशन प्लेटफ़ॉर्म (मिंत्रा, आजियो, मीशो)
- अपना बुटीक तथा राजस्थान के हस्तशिल्प-टेक्सटाइल क्लस्टर (सांगानेर, बगरू)

माँग (2026)

भारत का टेक्सटाइल-परिधान बाज़ार 2030 तक क़रीब 10% सालाना की दर से बढ़कर लगभग 350 अरब डॉलर तक पहुँचने का अनुमान है, जिससे परिधान ब्रांड, एक्सपोर्ट हाउस और ई-कॉमर्स फ़ैशन में डिज़ाइनरों की स्थिर माँग बनी है। टिकाऊ (इको-फ़ोकस्ड) फ़ैशन की भूमिकाओं में हाल में क़रीब 20% की बढ़ोतरी हुई है, और राजस्थान के सांगानेर-बगरू जैसे ब्लॉक-प्रिंट केंद्र स्थानीय अवसर भी देते हैं।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. सहायक डिज़ाइनर
2. फ़ैशन डिज़ाइनर
3. सीनियर डिज़ाइनर
4. क्रिएटिव डायरेक्टर / लेबल-मालिक

कमाई

शुरुआत	₹2.5–5 लाख/वर्ष
मध्य स्तर	₹6–12 लाख/वर्ष
वरिष्ठ स्तर	₹15–40+ लाख/वर्ष

अपना लेबल सफल होने पर बहुत अधिक। (2026 अनुमान)

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- रचनात्मकता को पहचान व नाम मिल सकता है
- बुटीक/लेबल से स्व-रोज़गार संभव
- राजस्थान की हस्तकला-विरासत बड़ा अवसर है

चुनौतियाँ

- शुरुआत में लंबी मेहनत, कम वेतन
- प्रतिस्पर्धा बहुत ऊँची है
- सीज़न/ट्रेंड का दबाव लगातार

9 असल ज़िंदगी की कहानियाँ

Rahul Mishra

अंतरराष्ट्रीय वूलमार्क पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय फ़ैशन डिज़ाइनर

राहुल मिश्रा का जन्म कानपुर के पास मलहौसी नामक छोटे से गाँव में हुआ, जहाँ उनके बचपन में बिजली तक नहीं थी। भौतिकी में स्नातक करने के बाद उन्होंने अहमदाबाद के राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान से वस्त्र डिज़ाइन सीखा और वहाँ वर्ष के सर्वश्रेष्ठ छात्र डिज़ाइनर चुने गए। सन 2014 में वे विश्व का प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय वूलमार्क पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय डिज़ाइनर बने। आज वे पेरिस के प्रतिष्ठित कोतूर फ़ैशन सप्ताह में अपना संग्रह दिखाने वाले पहले भारतीय हैं और हाथ की कढ़ाई के ज़रिए गाँव के सैकड़ों कारीगरों को रोज़गार देकर अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं।

Global Indian · https://www.globalindian.com/story/fashion/from-village-of-kanpur-to-streets-of-milan-how-rahul-mishra-made-indian-fashion-global/

Vaishali Shadangule

पेरिस कोतूर सप्ताह की आधिकारिक सूची में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला डिज़ाइनर

वैशाली शादांगुले मध्य प्रदेश के छोटे से नगर विदिशा में पली-बढ़ीं और सत्रह वर्ष की आयु में लगभग खाली हाथ घर से निकल पड़ीं। भोपाल में उन्होंने पाँच सौ रुपये महीने की नौकरी से शुरुआत की और फोटोकॉपी किए हुए पाठ्यक्रम से घर पर खुद फ़ैशन डिज़ाइन सीखा। सन 2001 में केवल पचास हज़ार रुपये की बचत और ऋण से उन्होंने मुंबई में अपनी पहली छोटी सी दुकान खोली। सन 2021 में वे पेरिस कोतूर सप्ताह के आधिकारिक कैलेंडर में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला डिज़ाइनर बनीं और भारत के हथकरघा बुनकरों की कला को विश्व मंच तक ले गईं।

The Better India · https://thebetterindia.com/258703/indian-woman-designer-vaishali-shadangule-paris-haute-couture-week-life-story/

Anita Dongre

हाउस ऑफ़ अनीता डोंगरे की संस्थापक एवं प्रसिद्ध फ़ैशन डिज़ाइनर

अनीता डोंगरे बचपन की छुट्टियाँ जयपुर में अपनी नानी के घर बिताती थीं, जहाँ राजस्थान की कला और कारीगरी ने उनके मन में डिज़ाइन का सपना जगाया। अपने परिवार में पेशेवर काम करने वाली पहली महिला बनकर उन्होंने घर के विरोध के बावजूद अपनी राह चुनी। उन्होंने अपने घर की बालकनी में केवल दो सिलाई मशीनों से काम शुरू किया। आज उनकी कंपनी में लगभग ढाई हज़ार लोग काम करते हैं, गाँवों की महिला कारीगरों को रोज़गार मिलता है और उनके बनाए कपड़े विश्व की प्रसिद्ध हस्तियाँ पहनती हैं।

Egon Zehnder · https://www.egonzehnder.com/functions/inclusive-leadership/insights/blazing-a-trail-women-in-leadership-anita-dongre

10 स्रोत व आगे पढ़ें

1. NIFT (राष्ट्रीय फ़ैशन प्रौद्योगिकी संस्थान) — https://www.nift.ac.in

2. NID — https://www.nid.edu

3. राष्ट्रीय करियर सेवा (NCS) — https://www.ncs.gov.in

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in